VIATRIS

ग्लॉकोमा (कालामोतिया) क्या है?

ग्लॉकोमा एक ऐसी बीमारी है, जिसमें आँख की तंत्रिका (ऑप्टिक नर्व) का नुकसान होता है। आँख से मस्तिष्क तक जानकारी इस ऑप्टिक नर्व के द्वारा ही पहुँचती है।

अगर प्रारंभिक पड़ाव में ही इसकी पहचान और सही उपचार न हो, तो आँखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

ग्लॉकोमा समाज में कितना प्रचलित है?#

ग्लॉकोमा स्थायी दृष्टिहीनता का सबसे बड़ा कारण है।[1]

यह भारत में लगभग 1.2 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है।[2]

अध्ययनों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है कि 2040 तक 11.1 करोड़ लोग ग्लॉकोमा से प्रभावित होंगे, जिनमें से अधिकांश एशिया और अफ्रीका के निवासी होंगे।[3]

References
1.GBD 2019 Blindness and Vision Impairment Collaborators; Vision Loss Expert Group of the Global Burden of Disease Study. Causes of blindness and vision impairment in 2020 and trends over 30 years, and prevalence of avoidable blindness in relation to VISION 2020: the Right to Sight: an analysis for the Global Burden of Disease Study. Lancet Glob Health. 2021 Feb;9(2):e144-e160. | 2.George R, Ve RS, Vijaya L. Glaucoma in India: estimated burden of disease. J Glaucoma. 2010 Aug;19(6):391-7.
3. Tham YC, Li X, Wong TY, Quigley HA, Aung T, Cheng CY. Global prevalence of glaucoma and projections of glaucoma burden through 2040: a systematic review and meta-analysis. Ophthalmology. 2014 Nov;121(11):2081-90.

VIATRIS

ग्लॉकोमा से पीड़ित 90% मरीज़ों का निदान बिना जाँच के नहीं हो पाता है, क्योंकि इसके कोई लक्षण नहीं हैं।[4]

प्रारंभिक पहचान और उचित उपचार दृष्टि को सरंक्षित रखने में मदद कर सकता है।

ग्लॉकोमा के बारे में जानकारी होना, क्यों ज़रूरी है?

मरीज़ को आभास होने से पहले 40% दृष्टि की हानि हो सकती है।

दृष्टि की हानि को पुनर्स्थापित नहीं किया जा सकता है।

ग्लॉकोमा के क्या कारण हैं?

इसके सटीक कारण अज्ञात हैं।

हमारी आँख के अंदर एक तरल पदार्थ होता है, जिसे एक्वीअस ह्यूमर कहा जाता है, ये आँखों के ऊतकों को पोषण प्रदान करता है।

ग्लॉकोमा में यह तरल पदार्थ अकुशल रूप से नलियों में बहता है या फिर ये मार्ग अवरुद्ध हो जाता है, जिससे आँखों में दबाव बढ़ जाता है।

इससे ऑप्टिक नर्व में रक्त वाहिकाओं और तंत्रिकाओं को नुकसान पहुँचता है, इसके परिणामस्वरूप आँखों की रोशनी हमेशा के लिए चली जाती है, अगर इसका समय रहते ही सही इलाज न किया जाए।

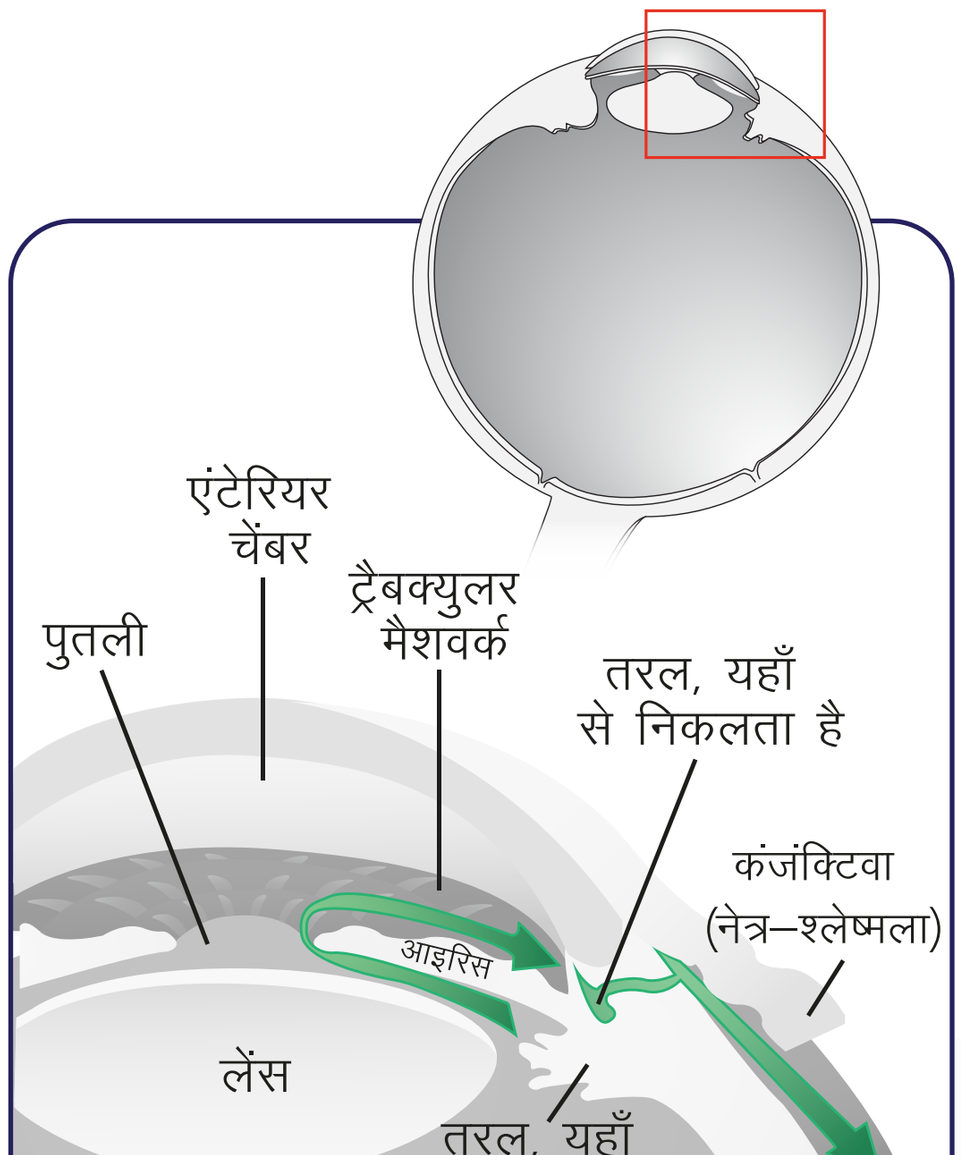

निकासी मार्ग बंद तरल का संचय।

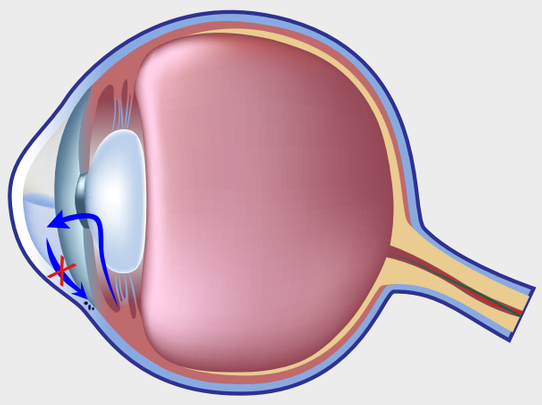

बढ़ा हुआ दबाव, ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुँचाता है।

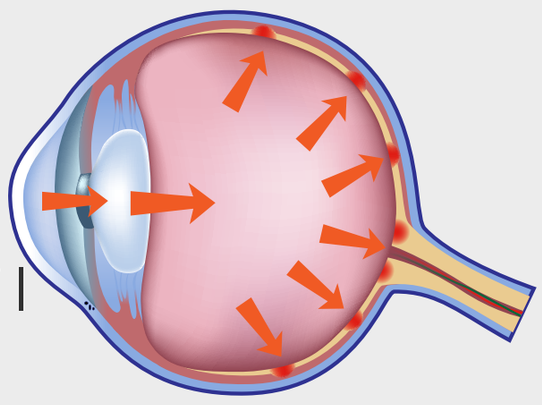

VIATRIS

आँखों का दबाव, ग्लॉकोमा को कैसे प्रभावित करता है?

आँखों का दबाव बढ़ने से, ग्लॉकोमा होने का खतरा बढ़ जाता है।

हालांकि, आँखों का दबाव औसत से कम होने पर भी किसी को ग्लॉकोमा हो सकता है।

साथ ही यह भी जरूरी नहीं है कि आँखों के अधिक दबाव वाले सभी लोगों को ग्लॉकोमा हो।

'आदर्श' या 'सामान्य' आँखों का दबाव हर व्यक्ति के लिए अलग होता है।

ग्लॉकोमा के इलाज का उद्देश्य आँखों के दबाव को कम करना होता है।

ग्लॉकोमा कितने प्रकार के होते हैं?

प्राइमरी ग्लॉकोमा
(पूर्वनिर्धारित व्यक्तियों में कोई पहचानने योग्य कारण नहीं होता है)

- ओपन एंगल ग्लॉकोमा।
- एंगल क्लोजर /नैरो एंगल ग्लॉकोमा।

सेकंडरी ग्लॉकोमा
(अन्य कारणों से होता है)

- आँख की चोट।
- आँख की सर्जरी।
- आँखों की कुछ बीमारीयां।
- अन्य शारीरिक रोग।
- स्टेरॉयड का इस्तेमाल।

VIATRIS

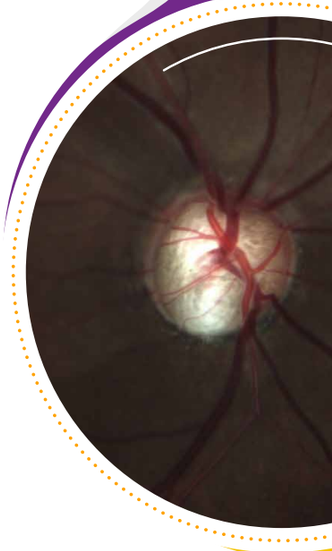

ग्लॉकोमा के लक्षण क्या हैं?

ग्लॉकोमा को अक्सर दृष्टि का मूक चोर कहा जाता है, जो चुपके से आँखों की रोशनी को कमज़ोर बनाता है।
ज्यादातर लोग अपनी बीमारी से अनजान रहते हैं, क्योंकि शुरुआत में इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं।
प्रारंभिक चरण में परिधीय (पेरीफेरल) दृष्टि प्रभावित होती है और अंतिम चरण में केंद्रीय (सेंट्रल) दृष्टि प्रभावित होती है और धीरे–धीरे मरीज़ दृष्टिहीन हो जाता है।

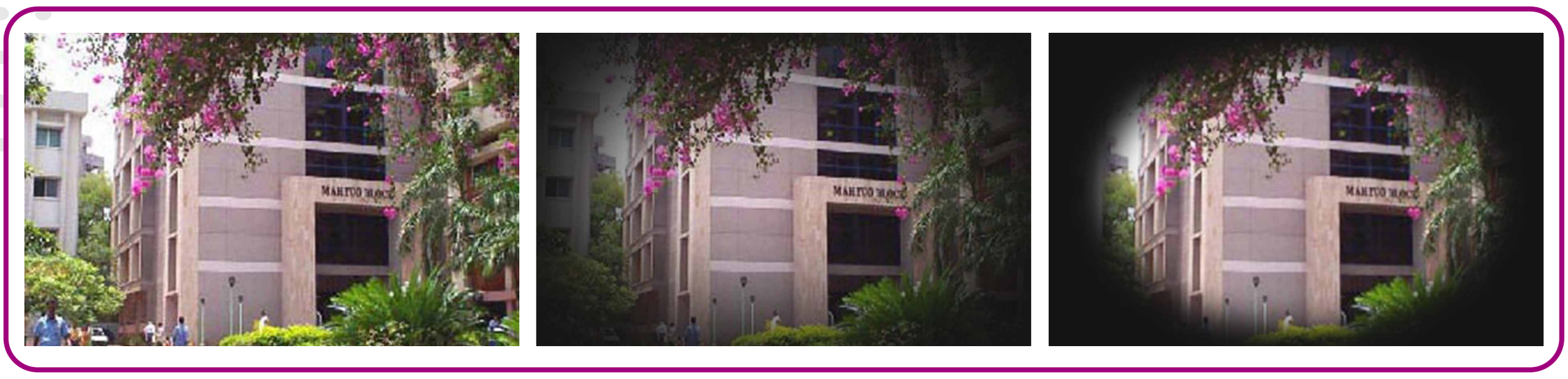

डॉक्टर को कब दिखाएँ?

चालीस साल से बड़े लोग या जिनको काला मोतिया होने का ज्यादा खतरा है, उन सभी को काला मोतिया की जाँच करवानी चाहिए।

आपकी आँखों की स्थिति के मुताबिक, डॉक्टर आपको बताएंगे कि वापस जाँच के लिए कब आना है।

VIATRIS

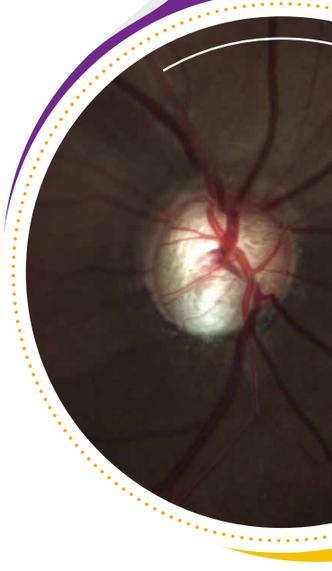

ग्लॉकोमा के जोखिम कारक क्या हैं?

स्टेरॉयड का इस्तेमाल

बढ़ती उम्र 40+

आँख की चोट

उच्च रिफ्रेक्टिव एरर (उच्च अपवर्तक त्रुटि)
मायोपिया – अल्पदृष्टि, दूरदृष्टि की समस्या

आँख की सर्जरी (ऑपरेशन)

ग्लॉकोमा से पीड़ित माता–पिता/भाई–बहन

ग्लॉकोमा का निदान कैसे किया जाता है?

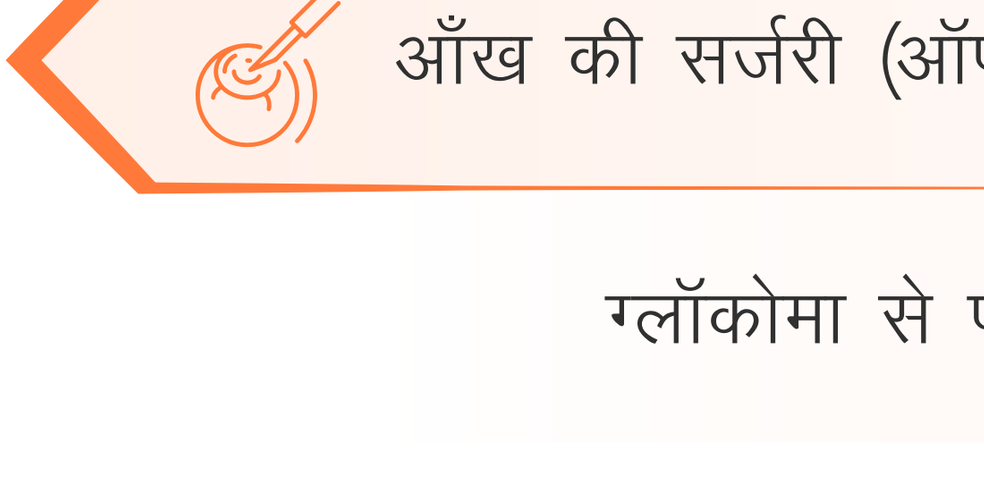

आँखों के दबाव
का मूल्यांकन
(टोनोमेट्री)

निकासी एंगल का मूल्यांकन
(गोनियोस्कोपी)

व्यापक
नेत्र परीक्षण

ऑप्टिक डिस्क मूल्यांकन
(नस की जाँच)

दृश्य क्षेत्र मूल्यांकन
(पेरीमेट्री)

VIATRIS

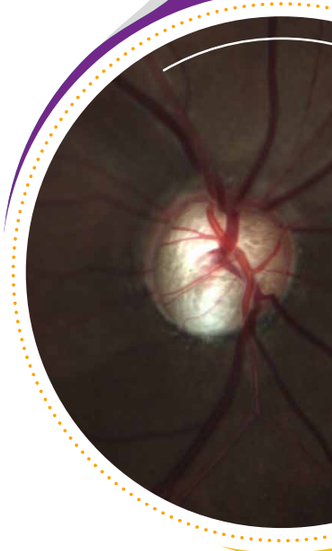

क्या ग्लॉकोमा से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को दृष्टिहीनता का खतरा होता है?

ग्लॉकोमा से पीड़ित लोग दृष्टिहीनता के डर के बिना खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं, अगर उनकी बीमारी का प्रारंभ में ही सही पहचान और उचित उपचार किया जाए।

इसलिए ग्लॉकोमा की नियमित जाँच होना जरूरी है।

निदान के बाद, जीवनभर आँखों की जाँच करवाना आवश्यक होता है।

अनियंत्रित ग्लॉकोमा में दृष्टि को बचाए रखने के लिए सर्जरी ज़रूरी होती है।

ग्लॉकोमा के लिए उपलब्ध इलाज विकल्प क्या हैं?

ग्लॉकोमा के इलाज का उद्देश्य आँखों के दबाव को कम करना है, जिससे दृष्टि को हानि न पहुँचे।

आईड्रॉप

लेज़र

आँखों का दबाव कम करने वाले इलाज

ट्यूब प्रत्यारोपण

ग्लॉकोमा फ़िल्टरिंग सर्जरी

न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी

सर्जरी तब की जाती है जब आईड्रॉप,लेज़र से आँखों का दबाव नियंत्रित नहीं हो पाता है, या तंत्रिका को काफी नुकसान हो रहा हो। एक मरीज को अपने जीवनकाल में एक से अधिक सर्जरी करवानी पड़ सकती हैं।

निदान के बाद, जीवनभर समय–समय पर आँखों की जाँच करवाना आवश्यक होता है।

ग्लॉकोमा का स्थायी इलाज नहीं है।

‘नैरो एंगल’ (संकीर्ण कोण) का क्या अर्थ है? क्या यह ग्लॉकोमा होने जैसा ही है?

आँख की प्राकृतिक निकासी प्रणाली, कॉर्निया (काली पुतली) और आइरिस (आँख के रंगीन हिस्से) के बीच एंटेरियर चेंबर (अग्रवर्ती कक्ष) ‘एंगल’ में स्थित होती है।

ग्लॉकोमा के सबूत के बिना कुछ आँखों में केवल नैरो एंगल हो सकते हैं।

इन आँखों में ग्लॉकोमा का खतरा बढ़ जाता है और इस स्थिति में जीवनभर नियमित रूप से जाँच करवाना आवश्यक है। कुछ लोगों में इस जोखिम को कम करने के लिए निवारक लेज़र की ज़रूरत पड़ सकती है।

‘प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लॉकोमा’ में नैरो एंगल के साथ–साथ ग्लॉकोमा के कारण नस का नुकसान भी होता है।

ग्लॉकोमा को अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए इन मरीज़ों को इलाज और आजीवन जाँच की आवश्यकता होती है।

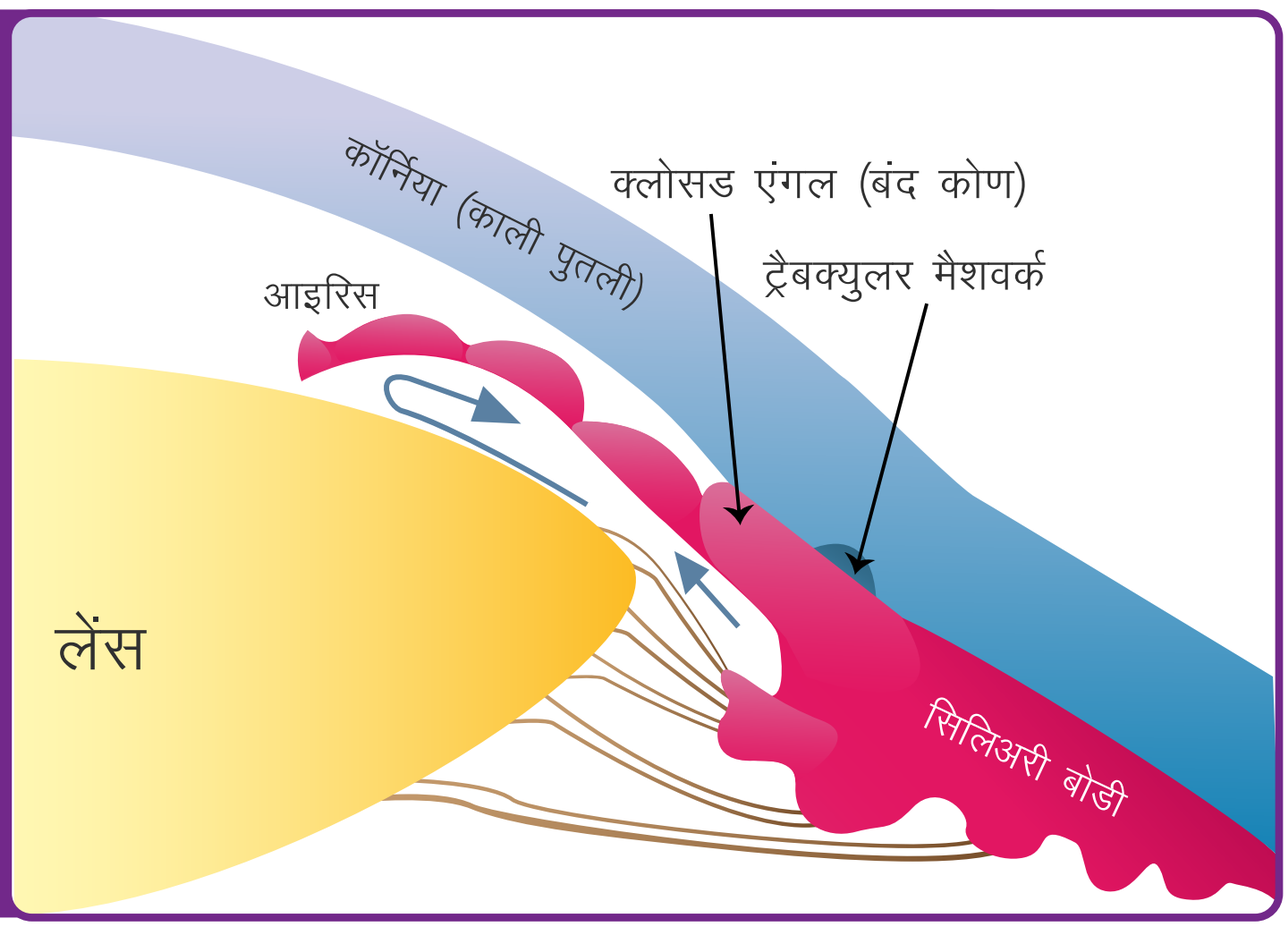

प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लॉकोमा, तीव्र या दीर्घकालिक (क्रानिक) हो सकता है।

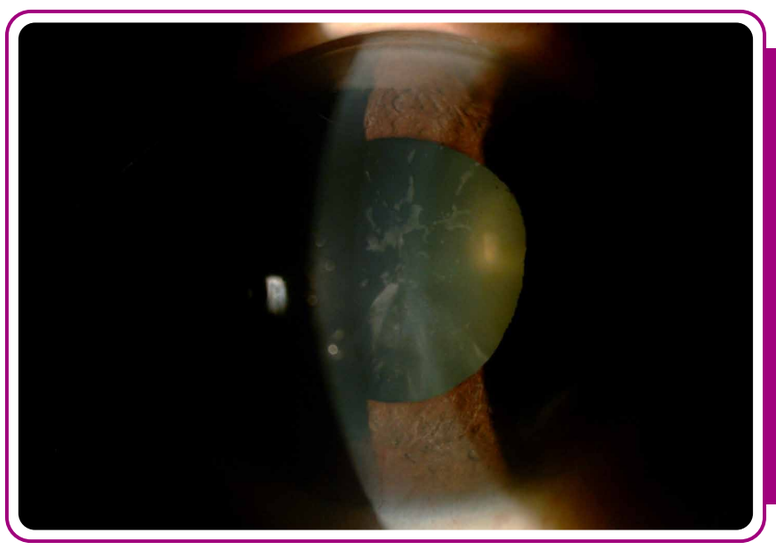

एक्यूट (तीव्र) एंगल क्लोजर

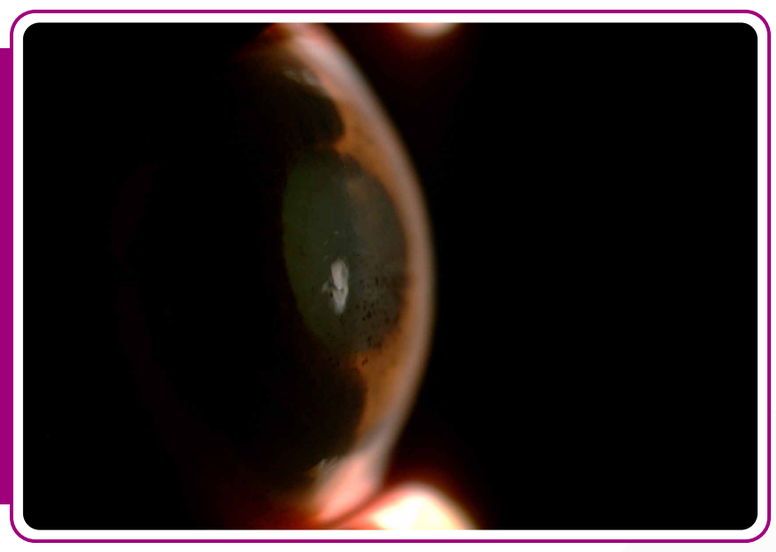

एक्यूट एंगल क्लोजर एक दुर्लभ स्थिति है, जहाँ आँखों का दबाव अचानक से बढ़ जाता है।

मरीज़ को आँखों में लालिमा, गंभीर दर्द, धुंधलापन और सिरदर्द महसूस हो सकता है।

यह एक आपात स्थिति है और इसमें तुरंत इलाज करवाना आवश्यक होता है।

अधिकांश समय, ये स्थिति दीर्घकालिक और बिना किसी लक्षण के होती है।

VIATRIS

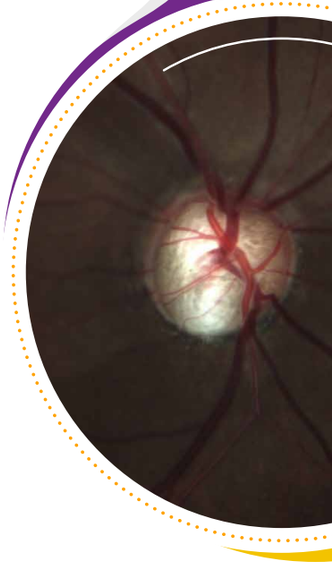

नैरो एंगल (संकीर्ण कोण) के लिए जोखिम कारक क्या हैं?

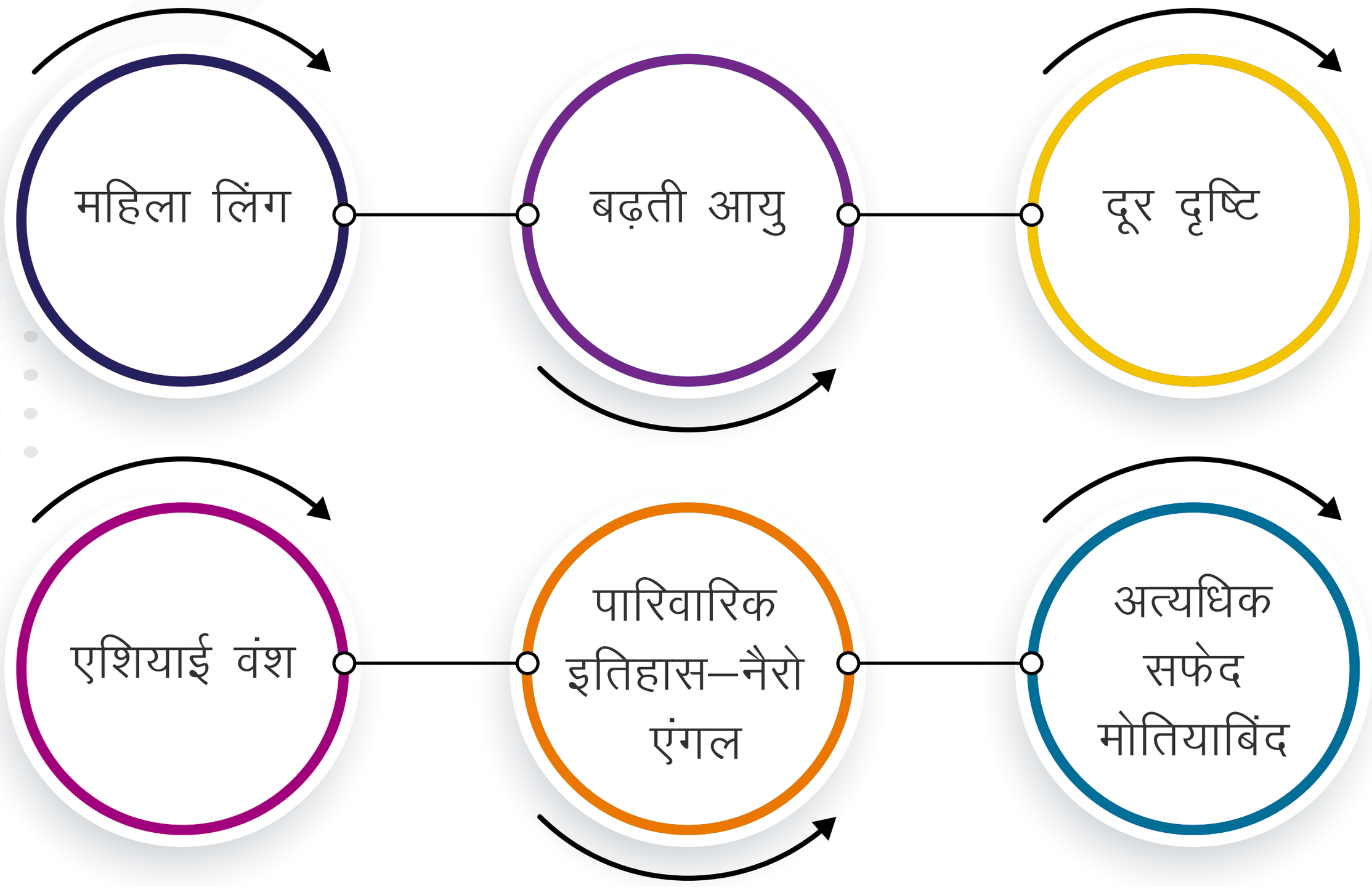

नैरो एंगल में क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

जब तक आपके आँखों के डॉक्टर पुतली फैलाने की इजाज़त न दें, डाइलेटिंग ड्रॉप्स नहीं डालनी चाहिए।

VIATRIS

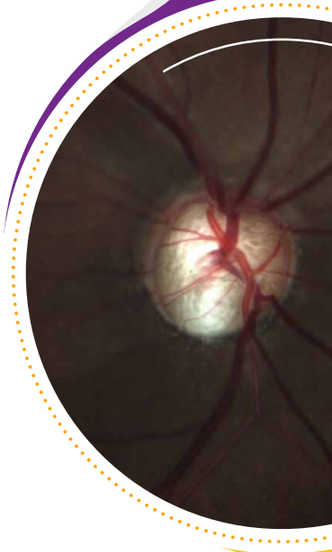

याग लेज़र इरिडोटॉमी क्या है?

याग लेज़र इरिडोटॉमी नैरो/क्लोसड (बंद) एंगल के लिए की जाने वाली एक आउटपेशेंट प्रक्रिया है।

इसमें लेज़र के द्वारा आईरिस में छोटा सा छेद बनाया जाता है, जिससे तरल पदार्थ के लिए निकासी मार्ग खुल जाता है, ये तरल पदार्थ आँखों का दबाव बनाए रखता है।

यह ग्लॉकोमा का स्थायी इलाज नहीं है और आगे के इलाज की आवश्यकता हो सकती है।

लेज़र के बाद भी ग्लॉकोमा के लिए जीवनभर जाँच करवाते रहना चाहिए।

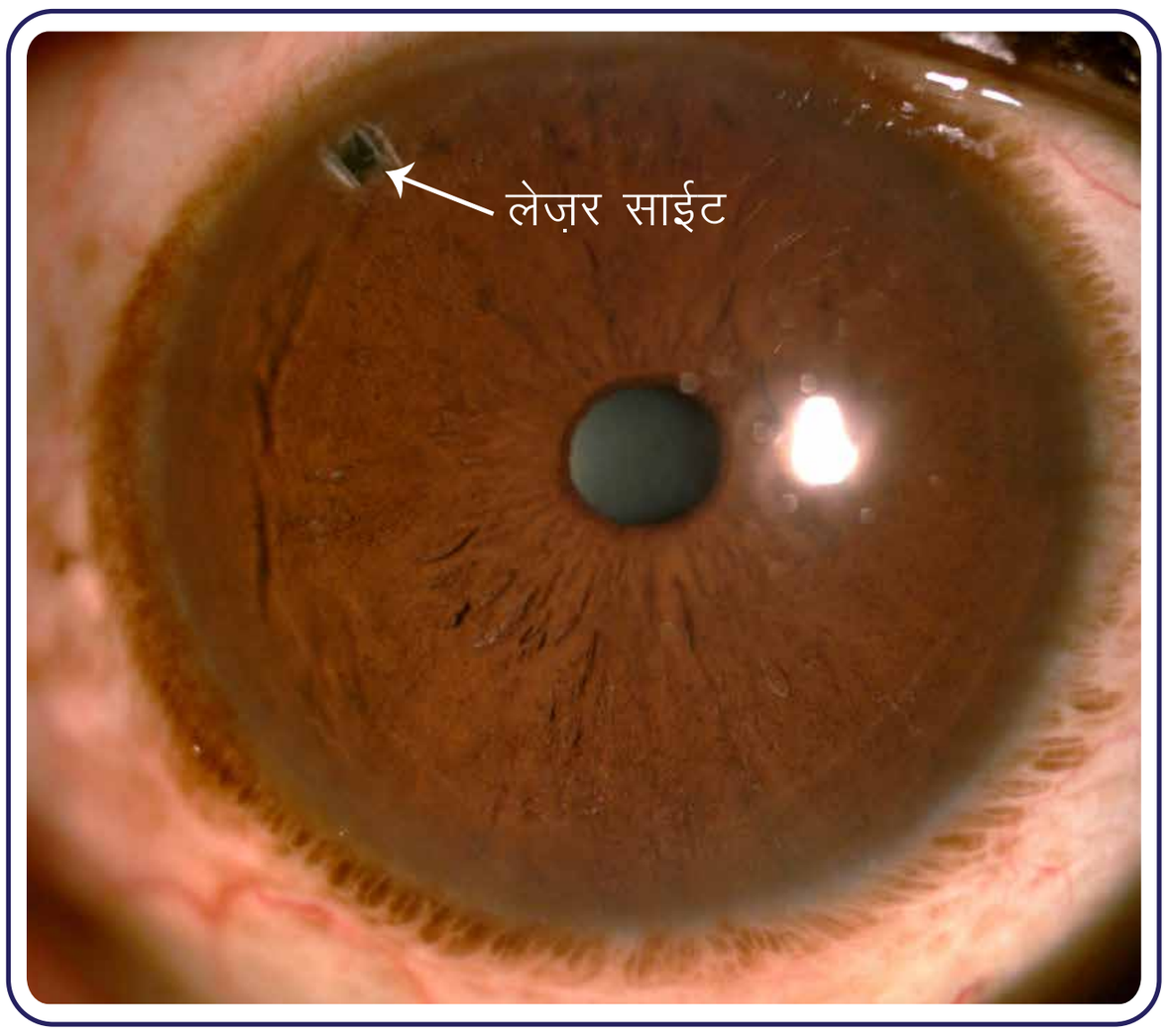

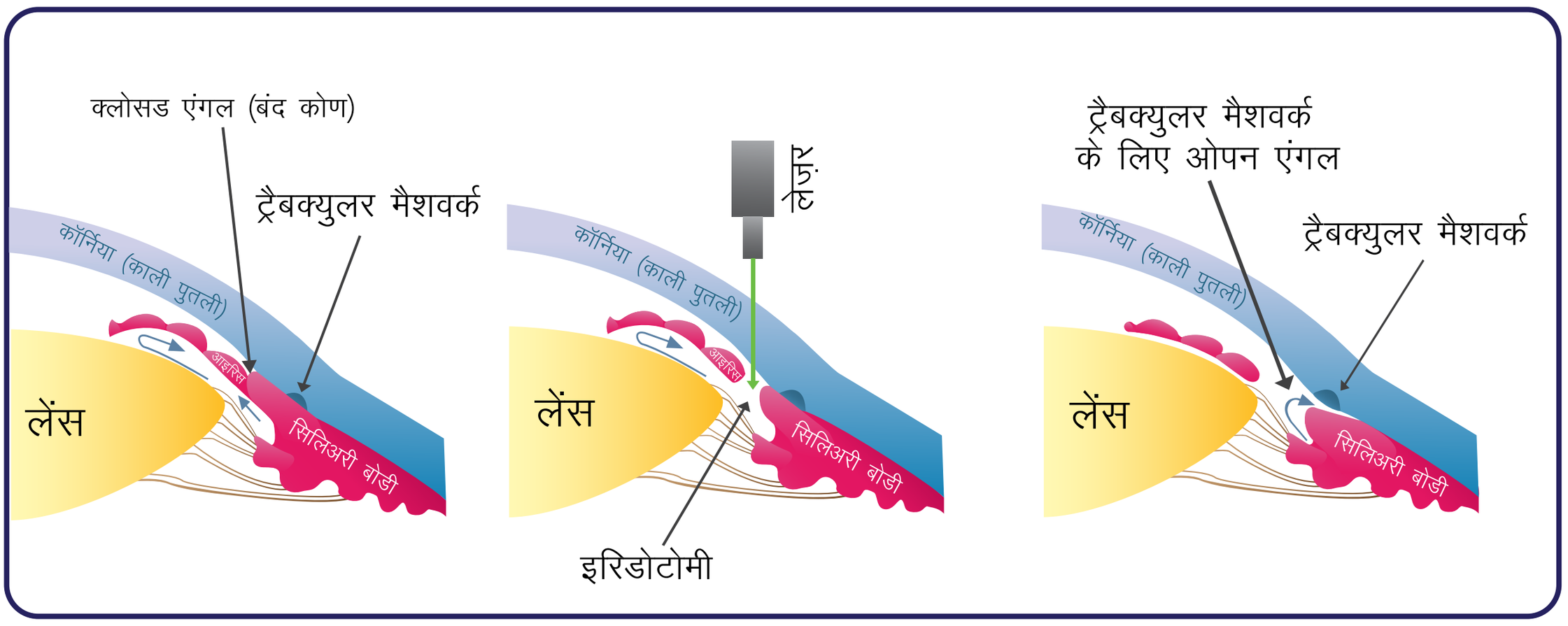

VIATRIS

Scan QR code to read more about glaucoma

NON-2024-1571_IN

Disclaimer:

The information presented on this website is for general information and educational purposes only. The information provided is the property of Sankara Nethralaya, a unit of Medical Research Foundation (“SN”), Mylan Pharmaceuticals Private Limited, a Viatris Company, and respective other third parties. While every effort had been made to ensure that the information contained herein is accurate and up-to-date, Viatris doesn’t not make any representation or assume any responsibility for the accuracy of any information disseminated through the content detailed herein and shall not be held liable for any error, omission and consequences – legal or otherwise, arising out of the use of any information provided herein and expressly disclaims any liabilities arising therefrom. Viatris has no control over the contents of any linked website and is not responsible for the websites or their content or availability. All copyrights, trademarks, and intellectual property rights pertaining to this website's content, design, and materials are expressly reserved. Nothing on this website should be construed as the giving of advice or the making of any recommendation and this website should not be relied upon as the basis for any decision or action. Please consult a duly qualified healthcare professional for any specific problem or matter which is covered by any information on this website, before taking any action.